

द्वितीया स्त्री. (तत्.) 1. चंद्र मास के शुक्ल/ कृष्ण पक्ष की दूसरी तिथि, दूज 2. (पति के लिए) सहधर्मिणी, पत्नी व्या. एक विभक्ति जिसमें प्रायः कर्म कारक का प्रयोग होता है।

द्वितीयाश्रम पुं. (तत्.) चार आश्रमों में दूसरा, गृहस्थाश्रम।

द्वित्व पुं. (तत्.) 1. एक साथ दो होने की अवस्था 2. दोहरा होना व्या. किसी वर्ण या वर्ण-समूह को निरंतर दो बार लिखा या पढ़ा जाना जैसे- 'चम्मच' में 'म' व्यंजन का द्वित्व है।

द्विदंती वि. (तद्.) दो दाँतों वाला।

द्विदल वि. (तद्.) 1. दो दलों/खंडों/टुकड़ों वाला अन्न जैसे- चना द्विदल अन्न है 2. दो पत्तों वाला 3. दो पंखुडियों वाला (फूल)।

द्विदिवसीय वि. (तत्.) दो दिन चलने वाला।

द्विदिश वि. (तत्.) 1. जो दो दिशाओं में हो 2. जो दो दिशाओं में काम करता हो या कर रहा हो।

द्विदृष्टिता स्त्री. (तत्.) चिकि. नेत्रों का एक रोग जिसमें पेशियों के असंतुलन के कारण व्यक्ति को किसी एक बाह्य वस्तु के दो रूप दिखते हैं।

द्विदेशीय वि. (तत्.) दो देशों में परस्पर होने वाला जैसे- देशीय युद्ध।

द्विधा स्त्री. (तत्.) 1. दो प्रकार से 2. दो भागों/टुकड़ों में 3. असमंजस, द्विधा, उलझन।

द्विधातु वि. (तत्.) जो दो धातुओं के मिलने से बना हो पुं. दो धातुओं से बनी मिश्र धातु।

द्विधातुमान पुं. (तत्.) बाणि. वह मुद्रा-प्रणाली जिसमें सोना और चाँदी के सिक्के ढालने तथा उनका वैध मुद्रा के रूप में प्रयोग करने में दोनों धातुओं की समान प्रतिष्ठा होती है।

द्विधात्विक वि. (तद्.) दो धातुओं से संबंधित।

द्विधामूढ़ वि. (तत्.) द्विधाग्रस्त या दो प्रकार से मूर्ख/अज्ञानी।

द्विनाराचिका स्त्री. (तद्.) अनंगशेखर नामक समवर्णिक छंद।

द्विनेत्री वि. (तद्.) दोनों आँखों से देखने का यंत्र पुं. दूरदर्शक, दूरबीन। bio-scope

द्विप पुं. (तत्.) गज, हाथी।

द्विपक्ष वि. (तद्.) द्विपक्षी (दे.) 2. जिसके दो पक्ष हों या दोनों ओर पक्ष हों; पुं. पूरा चांद्र मास 2. पक्षी, चिड़िया।

द्विपक्षी वि. (तद्.) 1. एक महीने में होने वाला 2. जिसका कुछ अंश शुक्ल और कृष्ण दोनों पक्षों में हो जैसे- गया में द्विपक्षी श्राद्ध की रीति है।

द्विपद वि. (तत्.) जिसके दो पैर हों जैसे- मनुष्य द्विपद प्राणी हैं व्या. जिसमें दो पद/शब्द हों (ऐसे समासयुक्त या यौगिक पद/शब्द) गणि. दो पदों वाला बहुपद ज्यो. मिथुन, तुला, कुंभ और कन्या राशियों में से प्रत्येक तथा धनु राशि का पूर्व भाग।

द्विपनाह पुं. (तत्.+तद्.) (हाथी से श्रेष्ठ) सिंह, शेर।

द्विपाद वि. (तत्.) जिसके दो पैर हों।

द्विपायी पुं. (तद्.) गज, हाथी।

द्विपार्श्वघात पुं. (तत्.) चिकि. शरीर के दोनों पार्श्वों को प्रभावित करने वाला पक्षाघात।

द्विपार्श्विक वि. (तत्.) 1. दो पार्श्वों से संबंध रखने वाला 2. दो पक्षों या दोनों पक्षों की ओर से होने वाला, द्विपक्षी।

द्विपार्श्वीय वि. (तत्.) 1. दो या दोनों पार्श्वों से संबंधित 2. द्विपक्षी।

द्विपृष्ठी वि. (तत्.) पत्र. (कोई रचना, शीर्ष पंक्ति, शीर्षक या चित्र) जिसका कुछ भाग बाएँ पृष्ठ पर और कुछ दाएँ पृष्ठ पर छपा हो।

द्विबाहु पुं. (तत्.) जिसकी दो भुजाएँ हों पुं. दो भुजाओं वाला प्राणी।

द्विबाह्यदली वि. (तद्.) वन. (वे फूल) जिनमें दो बाह्य दल होते हैं।

द्विबीजी वि. (तद्.) वन. वे फूल जिनमें दो बीज हों।